

न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम जिला करौली

नं० 77/18

तारीखरजू:- 17/12/18

उनवान:- गौरा बनाम पप्पूराम वगै०

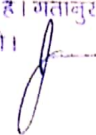
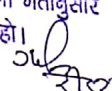

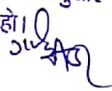
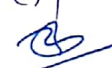

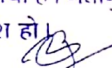
प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 212

क्र	फर्द अहकाम
	<p>पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता श्री महेन्द्र शर्मा एडवोकेट हाजिर प्रार्थी अधिवक्ता के इस अनुरोध पर कि प्रकरण अत्यावश्यक प्रकृति का है तथा प्रार्थी के पक्ष में अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पारित नहीं किये जाने पर वाद व प्रार्थना पत्र का उद्देश्य की असफल हो जायेगा। प्रार्थना पत्र अन्तरिम अस्थायी निषेधाज्ञा के बिन्दू पर वकील प्रार्थी को सुना गया। वकील प्रार्थी का कथन है कि अप्रार्थीगण प्रश्नगत भूमि में सायलान को प्रार्थी के पक्ष में अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की जावे। प्रार्थना पत्र की प्रकृति एवं आकरिमकता को देखते हुए अप्रार्थीगण को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है। कि आगामी पेशी दिनांक 23.01.2019 तक विवादग्रस्त आराजी ख० न० 63/1.75, 75/2.02, 87/0.01, 88/1.62, 89/841/0.21, 90/842/0.21, 91/1.57, 92/1.89, 93/843/0.06 कुल कित्ता 9 रकवा 9.34 है० में हिस्सा 1/6 तथा ख० न० 64/0.07, 89/0.22, 90/0.25, 93/0.10, 94/0.03, 95/0.15, 96/0.24, कुल कित्ता 6 रकवा 1.06 है० ग्राम झुनकी तहसील टोडाभीम जिला करौली रिकार्ड व मौके की यथास्थिति के आदेश दिए जाते हैं।</p> <p>प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है। कि अप्रार्थीगण के नोटिस तामिल को सामान्य व साधारण प्रक्रिया के साथ-साथ अप्रार्थीगण को प्रार्थना पत्र दस्तावेज व नोटिस आदि की प्रतिया रजिस्टर्ड डाक से भिजवाना सुनिश्चित करे। तथा आगामी पेशी पर इस आशय का शपथ पत्र तथा रसीद प्रस्तुत भी करे। तथा बहस हेतु तैयार नहीं होने पर आगामी सुनवाई को अस्थाई निषेधाज्ञा स्वतः निष्प्रभावी मानी जावेगी। प्रकरण को स्वच्छ हाथों से प्रस्तुत किया हुआ मानकर तथा एक पक्षीय सुनवाई के आधार पर न्यायालय के विवेकाधीन शक्तियों के तहत यह अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की गई है। लिहाजा प्रार्थीगण से यह अपेक्षा की जाती है। कि वह उपरोक्तानुसार अप्रार्थीगण पर एक पक्षीय आदेश की तामिल की उपर्युक्तानुसार ठोस कार्यवाही कर इस न्यायालय को प्रमाण पेश करे। तथा आदेश 39 नियम (3) (क) के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करे। अन्यथा अंतरिम आदेश को आईन्दा तारीख पेशी तक विस्तारित करने से पूर्व न्यायालय अपने विवेकाधिकार एवं अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करेगा। जिन परिस्थितियों में यह अंतरिम निषेधाज्ञा पारित की गई है में परिवर्तन की दशा में संशोधित/वैकट कर दी जावेगी। अप्रार्थीगण को जरिए रजिस्टर्ड नोटिस तलब किया जावे। पत्रावली दिनांक 23.01.2019 को पेश हो।</p> <p style="text-align: right;">उप जिला कलक्टर टोडाभीम जिला करौली</p>

5719-21
17-12-18

23.1.18 प्रार्थी वकील उप०) अपूर्ण नं. 1 का रजिस्ट्रार का फर्द तामिल से प्राप्त हुआ है अपूर्ण नं. 2 व 3 वापस दे सुनना उप-नहीं। १० स. अन्व. कार्य से व्यस्त है, आईन्दा दिनांक 22.2.18 को पेश हो।

न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम जिला क

दिनांक	फर्द अहकाम
22.2.19	पत्रावली पेश हुई। वार की ओर से कार्य स्थगन रखा गया है। गतानुसार दिनांक... 28.3.19... को पेश हो। 
29.3.19	वकुलाय उपस्थित/पीठासन अधिकारी-उनाब कार्य से करौली पधार है। अतः पत्रावली गतानुसार दिनांक 16.5.19 को पेश हो। 
16.5.19	प्रार्थी वकील उप०/अप्रार्थी नं. 2, 3 की दलील 180 प्रारंभ किन्तु उपस्थित नहीं थी उनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाती है। अप्रार्थी नं. का लिफाफा बिना पोते के बाहर रखे के जोर के साथ बापिल प्रारंभ हुआ की प्रार्थी वकील ने समानाह पत्र के माध्यम से सूचना करने का कथन किया। वकील स्वयं के खर्चे पर राजस्थान के दैनिक समानाह पत्र में प्रकाश करवाकर समानाह पत्र की प्रति प्रस्तुत करे/पत्रादिनांक 28.6.19 को पेश हो। 
28-6-19	वकुलाय उपस्थित/पीठासन अधिकारी उपरकाश पर पत्रावली है। अतः पत्रावली गतानुसार दिनांक 5.8.19 को पेश हो। 
5-8-19	प्रार्थी वकील उप०/गतानुसार दिनांक 3-8-19 को पेश हो। 
3.9.19	प्रार्थी वकील उप०/गतानुसार दिनांक 7.10.19 को पेश हो। 
7.10.19	पत्रावली पेश हुई। वार की ओर से कार्य स्थगन रखा गया है। गतानुसार दिनांक... 11.11.19... को पेश हो। 

1712
18-5-19

MV

यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम

फर्द अहकाम

11-1-19 प्रार्थी वकील (एफ) समाचार पत्र में सायाकाले वाते समय
वाहा। समय दिपा गधा। समाचार पत्रों बादी एष्य के लक्ष्य
प्रकाशन कराकर समाचार पत्र की प्रति प्रस्तुत कर (पत्रावली) दिनांक
16-12-18 को पेश हो।



16-12-19

पत्रावली पेश हुई। वार की ओर से कार्य स्थगित
रखा गया है। गताबुसार दिनांक 18-1-20
को पेश हो।



8-1-20

वक्तव्य उपस्थित अधिकारी पुराना इष्टी
के पक्ष में है। अतः पत्रावली गताबुसार
दिनांक 20-2-20 को पेश हो।



2-2-20

प्रार्थी वकील उपस्थित। अग्रार्थी नं. 1 के सामन की सूचना
समाचार पत्र दिनांक 23-1-20 में प्रकाशन कराकर समाचार पत्र की
कोटे प्रति पेश की है। प्रतिवादी नं. 1 उपस्थित नहीं है। उनके किरा
एक पक्षीय कार्यवाही की जाती है। बहल दिनांक 4-3-20 को पेश हो।



4-3-20

प्रार्थी वकील उपस्थित। बहल सुनी गई। प्रार्थी वकील ने
अस्पार्ड निषेधाज्ञा को दावा के फैसला तक कन्फर्म किया
जाने का कथन किया। बहल सुनकर मनन किया। दस्तोवेजे
का अवलोकन किया। दस्तोवेजे सचुते के आधार पर दिनांक
17-12-18 को जारी की गई अंतरिम अस्पार्ड निषेधाज्ञा को
तादावा फैसला कन्फर्म किया जाना उचित पाता हूँ। अतः
दिनांक 17-12-18 को जारी अंतरिम अस्पार्ड निषेधाज्ञा को
मूलदोष के निस्तारण तक कन्फर्म किया जाता है। तपाईर
साबलान को पाबन्द किया जाता है कि मूलवाद के निस्तारण
तक शांति कुनकी स्थित आशजी रब. नं. 63/1.75, 75/2.02,
87/0.01, 88/1.62, 89/841/0.21, 90/842/0.21, 91/1.57, -
92/1.89 93/843/0.06, कुल किता 9 कुल रकमा 9.34 रु०



उपजिला कलक्टर
टोडाभीम (करौली)


न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडा

फर्द अहकाम

दिनांक

के हिस्सा 1/6 में तथा खसरा नम्बर 64/0.07, 89/0.22, 90/0.25, 93/0.10, 94/0.3, 95/0.15, 96/0.24 कुल किला 7 कुल रकबा 1.06 हे० में मौके एवं रिफरेंस की पथास्थिति ब्योम रखें। पत्रावली के सल सुमार होकर नम्बर से कम होकर दावा पत्रावली के साथ सलम रहे।

निर्णय आज दिनांक 4.3.20 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया।


(दुर्गाप्रसाद मीता)

उपजिला कलक्टर
टोडामीन (करौली)

